24-06-2020

डी एस.के.शर्मा, सहायक उ0प्र0जलनिगम के माध्यम से कराने को कहा गया है।

मानकों के विकास पर शोध आवश्यक

प्रो. नरेंद्र मोहन

कानपुर, 23 जून। भारतीय मानक संस्थान की ओर से मानकों का विभिन्न तकनीकी संस्थानों के पाठ्यक्रम में समावेश विषय पर एक आनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए भारतीय मानक संस्थान के उप महानिदेशक जे. जे. राय चौधरी ने नये मानकों के विकास एवं मानकों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में सम्मिलित करने हेतु तकनीकी संस्थानों का आह्वान किया और विषय की रूप-रेखा से परिचित करवाया। कार्यशाला में तकनीकी संस्थानों हेतु एक एक्शन प्लान के बारे में रुप-रेखा भी प्रस्तुत की गई, ताकि मानकों के बारे में छात्रो को प्रशिक्षित किया जा सके, जोकि भविष्य में विभिन्न उत्पादों के मानकीकरण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायें। मानकों के विषय पर नये पाठ्यक्रम चालू करने, पुस्तके प्रकाशित करने और मानकों के विकास हेतु अनुसंधान करने पर विस्तृत चर्चा की गई। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने शर्करा उद्योग में मानकों की उपलब्धता और उनके विकास हेतु किये गये कार्यों से अवगत कराया। प्रो. मोहन ने बताया कि सामान्य उपभोक्ताओं के हितों को एवं वर्तमान में कोविड-19 के मददेनजर नये मानकों का विकास एवं अनुपालन आवश्यक है। उन्होंने बताया कि शर्करा उद्योग हेतु गुणवत्ता नियंत्रण पर नये पाठ्यक्रम गत वर्षों से संस्थान द्वारा चालू किये गये है। संस्थान की ओर से आर्गेनिक शुगर, सल्फरलेस शुगर एवं ब्राउन शुगर के मानको को विकसित करने हेतु कार्य अंतिम चरण में है। इसके अलावा संस्थान, भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक अधिकरण के साथ मिलकर मेपल सीरप, ताड़ गुड़ इत्यादि के मानकीकरण पर कार्य हो रहा है। मानकों के प्रति जागरुकता लाने पर आनलाइन कार्यशालाओं एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम का सुझाव दिया।

नए देसी-विदेशी मिठास उत्पादों के बनेंगे नए मानक

कानपुर। बाजारों में रोज आए रहे नए स्वीटनर और दूसरे नए मीठे उत्पादों के लिए नए सिरे से मानक तैयार किए जाएंगे। नए मानक देश में बने और विदेशों से आकर भारतीय बाजारों में बिक रहे उत्पादों के लिए होंगे। अभी मैपल सीरप सरीखे बहुत से उत्पाद देश की बेकरियों और कंफेक्शनरियों में बिक रहे हैं लेकिन खरीदारों को उसके मानक पता नहीं है। मंगलवार को नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट और भारतीय मानक संस्थान के बैनर तले ऑनलाइन आयोजित कार्यशाला में इस संबंध में निर्णय लिया गया। एनएसआई निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि मैपल पौधा अमेरिका और कनाडा में होता है। बताया कि गुणवत्ता नियंत्रण को विषय के रूप में पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा ताकि छात्रों मानकों के संबंध में भी पता चले।

न्यूज प्लस

तकनीक के साथ मानकों को भी पढ़ाएं

कानपुर। भारतीय मानक संस्थान नई दिल्ली की ओर से मंगलवार को वेबिनार का आयोजन किया गया। इसका विषय मानकों का विभिन्न तकनीकी संस्थानों के पाठ्यक्रम में समावेश रहा। इसमें विशेषज्ञों ने लंबी चर्चा के बाद तय किया कि तकनीक के साथ मानकों को भी पढ़ाया जाए। इसे पाठ्यक्रम में लागू किया जाए। वेबिनार का प्रारंभ संस्थान के उप महानिदेशक जेजे राय चौधरी ने किया। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि कोविड-19 को देखते हुए नए मानक विकसित जरूरी हैं। संस्थान भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक अधिकरण के साथ मिलकर मेपल सीरप, ताड़ गुड़ आदि के मानकीकरण पर काम कर रहा है।